दैनिक भास्कर रांची 20-07-2023

XISS: पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट में नामांकन शुरू

रांची| एक्सआईएसएस रांची में पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स आवेदन कर सकते हैं। इसमें 3 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे, पहला बैच सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगा जो पास आउट छात्रों के लिए और दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अध्ययनरत छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए होगा। इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% मार्क्स है। इस कोर्स के लिए छात्रों को 67,000 रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह शुल्क 80,000 रुपये होगा। सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रकाश चंद्र दास ने कहा कि कोर्स पूरा करने के बाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, ग्रामीण विकास और अन्य गैर-सरकारी संगठन में भी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।

का

अतिअल्पका

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि
3. निविदा प्राप्ति की तिथि, समय एवं स्थान
4. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान
5. परिमाण विपत्र की ब्रिकी का स्थान
6. निविदा का मद
7. कार्य की विस्तृत विवरणी निम्नवत् है

क्र0	प्रखंड	पंचायत	ग्राम

Press : Dainik Bhaskar

जियो–स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन में मौका

रांची. एक्सआइएसएस ने पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन मैनेजमेंट जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन इन रूरल मैनेजमेंट के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गया है. https://xiss.ac.in/GITRAINING/ पर तीन अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. 30-30 विद्यार्थियों के लिए दो बैच का संचालन होगा. सहायक प्रो डॉ प्रकाश चंद्र दाश ने बताया कि छह महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को आर्क-जीआइएस, एरडास, इएनवीआइ, आइ-जीआइएस, क्यू-जीआइएस जैसे सॉफ्टवेयर के साथ-साथ जीपीएस, डीजीपीएस और इटीएस हार्डवेयर की ट्रेनिंग दी जायेगी. पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को जीआइएस, रिमोट सेंसिंग और प्रबंधन की अवधारणा और व्यावहारिक उपयोग की विशेषता से प्रशिक्षित किया जायेगा. जिससे लाभ भविष्य में ग्रामीण विकास, मौसम पूर्वानुमान, भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली, जल प्रबंधन परियोजनाओं, शहरी नियोजन समेत अन्य क्षेत्रों में मिलेगा. कोर्स पूरा कर विद्यार्थी अपना प्लेसमेंट स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, ग्रामीण विकास, वन, राजस्व, कृषि, खनन, शहरी विकास, पेयजल, सर्वे ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट्स सहित निजी और गैर सरकारी संस्थान में हासिल कर सकेंगे.

एक्सआइएसएस

Press : Prabhat Khabar

एक्सआईएसएस में जियो टेक्नोलॉजी में प्रवेश शुरू

रांची, प्रमुख संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान में पीजीसीएम जियो-स्पेशल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक विद्यार्थी और पेशेवर नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् से अनुमोदित इस एक वर्षीय कोर्स में तीन अगस्त तक- https://xiss.ac.in/GITRAINING, लिंक पर आवेदन किया जा सकता है। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे। पहला बैच सुबह 11.30 से शाम 4.30 और दूसरा बैच दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक चलेगा। नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% प्राप्तांक होना अनिवार्य है।

Press : Hindustan

the pioneer
Thursday, 20 July 2023

Enrollment begins in XISS PGCM Geospatial

Thursday, 20 July 2023 | PNS | Ranchi

SHARE

In the era of Artificial Intelligence and Smart City projects, involvement of youth is increasing at a rapid rate and so is interest in any professional course related to it. A special course combining the prowess of technology and practices of Management is being offered by XISS starting this year. Interested students as well as working professionals can apply for the Post Graduate Certificate in Management (PGCM) – Geospatial Technology Applications for the year 2023-24.

The course is AICTE approved and is designed to cater to the market demand. Interested candidates may apply for the course online till 3 August 2023 from https://xiss.ac.in/GITRAINING/, The course is offered in two shifts of 30 seats each. The minimum qualification for the course is graduation with a 45% score. Students will have to pay Rs 67,000 for this course, while for working professionals the charge will be Rs 80,000.

During this course, each student will be provided with a separate computer along with study materials. In this course, ArcGIS, ERDAS, ENVI, i-GIS, Q-GIS etc. software is taught along with this, training of GPS, DGPS and ETS hardware is imparted.

Dr Prakash Chandra Dash, Assistant Professor at XISS said: "PGCM Geospatial Technology Applications would cater to the demands for GIS professionals and managers in both government and private agencies. Earlier, a similar programme of a shorter duration of 6 months was run at XISS which was highly successful with 85-95% placement on an average. The utility for the current one year programme would be much wider and better. Talking about the field of placement, after completing the course, one can get jobs in Smart City Project, Rural development, Forest Department, Revenue Department, Agriculture Department, Mining, Urban Development, Drinking Water Department, Survey of India Projects as well as in the Private Sector and other non-governmental organizations as well."

"Under this course, students would be taught about both concept and practical applications of GIS and Remote Sensing and Management which they can apply in the fields of Rural Development, Weather Forecasting, Land Information Management System, Watershed Management Projects, Urban Planning etc," informed Dr. Dash.

Press : Pioneer

एक्सआईएसएस में पीजीसीएम का नामांकन शुरू

पंच संवाददाता

रांची। एक्सआईएसएस में पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के लिए नामांकन शुरू 3 अगस्त तक भरें फॉर्म आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स के इस दौर में युवाओं की भागीदारी और इसी तरह इससे जुड़े किसी भी प्रोफेशनल कोर्स में दिलचस्पी भी बढ़ रही है। ऐसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची, पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच लिए इच्छुक छात्रों और प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे, पहला बैच सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगा जो पास आउट छात्रों के लिए उपयुक्त है, जबकि दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अध्यनरत छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए अधिक उपयुक्त है। इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% मार्क्स है। इस कोर्स के लिए छात्रों को 67,000 रुपये का भुगतान करना होगा। जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह शुल्क 80,000 रुपये होगा। इस कोर्स में छात्रों को अध्ययन सामग्री के साथ कक्षा में एक अलग कंप्यूटर उपलब्ध कराया जाता है।

Press : Punch

एक्सआईएसएस में 3 अगस्त तक ऑनलाइन करें आवेदन

रांची : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स के इस दौर में युवाओं की भागीदारी व इसी तरह इससे जुड़े किसी भी प्रोफेशनल कोर्स में दिलचस्पी भी बढ़ रही है। ऐसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए जेवियर समाज सेवा संस्थान एक्सआईएसएस रांची, पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्निोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच के लिए इच्छुक छात्रों व प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

Press : Sanmarg

एक्सआईएसएस में पीजीसीएम के लिए नामांकन शुरू

रांची

July 19, 2023 Social News Search Leave A Comment

रांची : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स के इस दौर में युवाओं की भागीदारी और इसी तरह इससे जुड़े किसी भी प्रोफेशनल कोर्स में दिलचस्पी भी बढ़ रही है. ऐसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची, पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच लिए इच्छुक छात्रों और प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है.

3 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक https://xiss.ac.in/GITRAINING/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे, पहला बैच सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगा जो पास आउट छात्रों के लिए उपयुक्त है, जबकि दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अध्यनरत छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए अधिक उपयुक्त है.

न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45%

इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% मार्क्स है. इस कोर्स के लिए छात्रों को 67,000 रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह शुल्क 80,000 रुपये होगा. इस कोर्स में छात्रों को अध्ययन सामग्री के साथ कक्षा में एक अलग कंप्यूटर उपलब्ध कराया जाता है. इस कोर्स में आर्कजीआईएस, एरडास, ईएनवीआई, आई-जीआईएस, क्यू-जीआईएस आदि सॉफ्टवेयर के साथ-साथ जीपीएस, डीजीपीएस और ईटीएस हार्डवेयर की ट्रेनिंग भी दी जाती है.

रूरल डेवलपमेंट कोर्स की डिमांड कई सरकारी और निजी एजेंसियों में

एक्सआईएसएस में सहायक प्रोफेसर डॉ प्रकाश चंद्र दास ने इस कोर्स के विषय में कहा: "पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट कोर्स की डिमांड कई सरकारी और निजी एजेंसियों में हैं, जो छात्रों और प्रोफेशनल्स को बेहद आकर्षित कर रही है. इससे पूर्व संस्थान में 6 महीने की अवधि का एक समान कार्यक्रम भी चलाया गया था, जो औसतन 85-95% प्लेसमेंट के साथ काफी सफल रहा था.

एक वर्षीय कार्यक्रम की उपयोगिता अधिक व्यापक एवं बेहतर

वर्तमान के इस एक वर्षीय कार्यक्रम की उपयोगिता अधिक व्यापक एवं बेहतर होगी. प्लेसमेंट के क्षेत्र की बात करें तो कोर्स पूरा करने के बाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, ग्रामीण विकास, वन विभाग, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, खनन, शहरी विकास, पेयजल विभाग, सर्वे ऑफ़ इंडिया प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ कई निजी क्षेत्र और अन्य गैर-सरकारी संगठन में भी नौकरी प्राप्त कर सकते है."

छात्रों को अवधारणा और व्यावहारिक उपयोग सिखाया जाएगा

"इस कोर्स के पाठ्यक्रम के तहत, छात्रों को जीआईएस और रिमोट सेंसिंग और प्रबंधन की अवधारणा और व्यावहारिक उपयोग दोनों के बारे में सिखाया जाएगा, जिसे वे ग्रामीण विकास, मौसम पूर्वानुमान, भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली, वाटरशेड प्रबंधन परियोजनाओं, शहरी नियोजन आदि के क्षेत्रों में लागू कर सकते हैं." डॉ दास ने बताया.

Tagged Admission open PGCM Ranchi XISS

Search ... Search

RECENT POSTS

- झारखंड के 24 डीएसपी एसपी रैंक में प्रोन्नत, सरोजिनी लकड़ा को मिला 2017 बैच
- एनडीए की बैठक पर नीतीश का वार- पहले कभी एनडीए की बैठक नहीं हुई
- सुशील मोदी का नीतीश पर कटाक्ष- ज्यादा मुस्कुरा कर बंगलुरू का दर्द छिपा रहे
- सीएम ने डुमरी में किया योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास, कहा- क्वालिटी एजुकेशन के साथ खेलों पर भी जोर
- पवित्रम सेवा परिवार ने बच्चों को दिव्य औषधि स्वर्ण प्राशन पिलायी, औषधि बीज एवं पौधे बांटे गए

CATEGORIES

- करियर
- कारोबार
- कोडरमा
- खूँटी
- खेल
- गढ़वा
- गिरिडीह
- गुमला
- गोड्डा
- चतरा
- जामताड़ा
- झारखण्ड
- टेक्नोलॉजी
- दुमका
- देवघर
- धनबाद
- धर्म
- पलामू
- पश्चिमी सिंहभूम
- पाकुड़
- पूर्वी सिंहभूम
- बिहार
- बोकारो
- मनोरंजन
- यूटिलिटी
- रांची
- राजनीति
- रामगढ़
- राष्ट्रीय
- लाइफ एंड स्टाइल
- लातेहार

Press : Social News Search

कोर्स

पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी के लिए नामांकन शुरू

तीन अगस्त तक ऑनलाइन भरा जायेगा फॉर्म

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स के इस दौर में युवाओं की भागीदारी और इसी तरह इससे जुड़े किसी भी प्रोफेशनल कोर्स में दिलचस्पी भी बढ़ रही है। ऐसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए जेक्स्यिर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची, पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच लिए इच्छुक छात्रों और प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक ऑनलाइनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे, पहला बैच सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगा जो पास आउट छात्रों के लिए उपयुक्त है, जबकि दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अध्यनरत छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए अधिक

उपयुक्त है। इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% मार्क्स है। इस कोर्स के लिए छात्रों को 67,000 रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह शुल्क 80,000 रुपये होगा। इस कोर्स में छात्रों को अध्ययन सामग्री के साथ कक्षा में एक अलग कंप्यूटर उपलब्ध कराया जाता है। इस कोर्स में आरकेजीआईएस, एरडास, ईएनवीआई, आई-जीआईएस, क्यू-जीआईएस आदि सॉफ्टवेयर के साथ-साथ जीपीएस, डीजीपीएस और ईटीएस हार्डवेयर की ट्रेनिंग भी दी जाती है। एक्सआईएसएस में सहायक प्रोफेसर डॉ प्रकाश चंद्र दक्ष ने इस कोर्स के विषय में कहा: ह्यपीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट कोर्स की डिमांड कई सरकारी और निजी एजेंसियों में हैं, जो छात्रों और प्रोफेशनल्स को बेहद आकर्षित कर रही है। इससे पूर्व संस्थान में 6 महीने की अवधि का एक समान कार्यक्रम भी चलाया गया था जो औसतन 85-95% प्लेसमेंट के साथ काफी सफल रहा था। वर्तमान के इस एक वर्षीय कार्यक्रम की उपयोगिता अधिक व्यापक एवं बेहतर होगी। प्लेसमेंट के क्षेत्र की बात करें तो कोर्स पूरा करने के बाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, ग्रामीण विकास, वन विभाग, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, खनन, शहरी विकास, पेयजल विभाग, सर्वे ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ कई निजी क्षेत्र और अन्य गैर-सरकारी संगठन में भी नौकरी प्राप्त कर सकते है। इस कोर्स के पाठ्यक्रम के तहत, छात्रों को जीआईएस और रिमोट सेंसिंग और प्रबंधन की अवधारणा और व्यावहारिक उपयोग देनों के बारे में सिखाया जाएगा, जिसे वे ग्रामीण विकास, मौसम पूर्वानुमान, भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली, वाटरशेड प्रबंधन परियोजनाओं, शहरी नियोजन आदि के क्षेत्रों में लागू कर सकते हैं। डॉ दक्ष ने बताया।

Press : Rashtriya Navin Mail

पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी इन आरडी में एडमिशन शुरू

एक्सआईएसएस ने आमंत्रित किये आवेदन, 3 अगस्त तक करे एप्लाई

GANDIV REPORTER

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच लिए इच्छुक छात्रों और प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक https://xiss.ac.in/GITRAINING/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे। पहला बैच सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगा। जो पास आउट छात्रों के लिए उपयुक्त है। जबकि दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अध्यनरत छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए अधिक उपयुक्त है। इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% मार्क्स है।

इस कोर्स के लिए छात्रों को 67,000 रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह शुल्क 80,000 रुपये होगा। इस कोर्स में छात्रों को अध्ययन सामग्री के साथ कक्षा में एक अलग कंप्यूटर उपलब्ध कराया जाता है। इस कोर्स में आर्कजीआईएस, एरडास, ईएनवीआई, आई-जीआईएस, क्यू-जीआईएस आदि सॉफ्टवेयर के साथ-साथ जीपीएस, डीजीपीएस और ईटीएस हार्डवेयर की ट्रेनिंग भी दी जाती है। एक्सआईएसएस में सहायक प्रोफेसर डॉ प्रकाश चंद्र दास ने इस कोर्स के विषय में कहाः पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट कोर्स की डिमांड कई सरकारी और निजी एजेंसियों में हैं। जो छात्रों और प्रोफेशनल्स को बेहद आकर्षित कर रही है। इससे पूर्व संस्थान में 6 महीने की अवधि का एक समान कार्यक्रम भी चलाया गया था जो औसतन 85-95% प्लेसमेंट के साथ काफी सफल रहा था।

Press : Birsa ka Gandiv